हरिभूमि
बेमेतरा भूमि
रायपुर, सोमवार 27 अप्रैल 2026

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

खबर संक्षेप

अवैध शराब परिवहन करते आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। अवैध शराब का परिवहन करते हुए एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ा है। मुखबिर की सूचना पर उतई पुलिस ने उतई शराब भट्टी के पास अवैध शराब बेचने ग्राहक की तलाश कर परिवहन कर रहा था। घेराबंदी कर मुकेश नौरंगे उर्फ नजरू को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से दो अलग-अलग सफेद बोरी में रखे 55 शोले मशाला देशी मदिरा पौवा कुल 9.900 बल्क लीटर जब्त किया। कार्रवाई में उतई थाना प्रभारी महेश ध्रुव की टीम का योगदना रहा है।

सात सांसदों का भाजपा में शामिल होना जनता और लोकतंत्र के साथ विश्वासघात

भिलाई। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष देवलाल नरेठी ने कहा कि आप पार्टी जनता के मुद्दों पर निर्णायक संघर्ष कर रही है और देश में ईमानदार राजनीति का मजबूत विकल्प बन चुकी है। ऐसे समय में कुछ नेताओं का भाजपा में जाना उनकी सत्ता लोलुपता को उजागर करता है। यह भाजपा द्वारा रचे गए व्यापक राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा है, जिसके माध्यम से जनता और लोकतंत्र के साथ मजाक और विश्वासघात किया गया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को आम आदमी पार्टी ने पहचान, मान, सम्मान और नेतृत्व का अवसर दिया। वे संघर्ष के समय पार्टी और जनता के साथ निर्भिकता के खड़े होने के बजाय सत्ता की शरण में चले गए। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक कुमार मित्तल, हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंदर गुप्ता भाजपा में शामिल हो गए हैं ।

मरीज को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 22 मिनट में रायपुर पहुंचाया

भिलाई। गंभीर मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने ,जीवन रक्षा के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस दुर्ग द्वारा लगातार ग्रीन कॉरिडोर बनाकर मरीज को रायपुर अस्पताल भेजा है। हाईवे पेट्रोलिंग 2 द्वारा बीएम शाह अस्पताल से गंभीर मरीज नंदिनी रोड निवासी उत्तमचंद साहू को रामकृष्ण केयर अस्पताल रायपुर रेफर किया गया। विशेष ट्रैफिक व्यवस्था बनाकर 22 मिनट में अस्पताल पहुंचाई है। मरीज की गंभीर स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए कुम्हारी टोल प्लाजा सहित मार्ग के संवेदनशील, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में पूर्व से तैनात जवानों द्वारा ट्रैफिक नियंत्रित कर ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया।

चार एएसआई का हुआ प्रमोशन, डबल स्टार लगा बने एसआई

भिलाई। जिले के चार सहायक उप निरीक्षकों का एसएसपी विजय अग्रवाल ने कंधे में स्टार लगाकर पदोन्नति दी है। इस दौरान एसएसपी अग्रवाल ने कहा कि पुलिस में पदोन्नति से बल का मनोबल बढ़ा है। कानून व्यवस्था के प्रति और अधिक प्रभावी दायित्व निर्वहन की अपेक्षा व्यक्त की गई। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी पदोन्नति आदेश के परिपालन में पुलिस कर्मियों को पदोन्नत किया गया।

पेज 9 का शेष

बढ़ती गर्मी के बीच ...

कृषि विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि पराली जलाने पर शासन द्वारा दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे में किसानों से अपेक्षा की गई है कि वे नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें। अंत में, विभाग ने सभी कृषकों से जिम्मेदार नागरिक के रूप में आगे आने और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने की अपील की है, ताकि जिले को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके।

अस्पतालों के आसपास कचरे का अंबार, भीतर मरीज और हो रहे बीमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिलाई-3 के आसपास इन दिनों कचरा डंप किए जाने से हालात बदतर हो गए हैं। अस्पताल के बाहर सड़ते कचरे से उठती तीखी बदबू ने आसपास के लोगों के साथ-साथ मरीजों का भी जीना मुश्किल कर दिया है।

इलाज के लिए आने वाले मरीज जहां पहले से ही बीमारी से जूझ रहे होते हैं, वहीं इस गंदगी और दुर्गंध के कारण उनकी परेशानी और बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार इस समस्या को लेकर शिकायत की गई, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं। भिलाई-3 स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के बाजू में संचालित एक होटल से निकलने वाला धुआं अब नई मुसीबत बन गया है। होटल का एक्जास्ट सीधे अस्पताल की ओर खुलता है, जिससे धुआं वार्ड और परिसर में घुस रहा है।

इसका सीधा असर वहां मौजूद मरीजों और अस्पताल स्टाफ पर पड़ रहा है। कई लोगों ने सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन की शिकायत भी की है। स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत कर्मचारियों का कहना है कि यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है। इस संबंध में नगर निगम भिलाई-चरोदा में शिकायत भी दर्ज कराई जा चुकी है। बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

मरीज और स्टॉफ बेहाल, शिकायत के बाद भी निगम खामोश

जिम्मेदारों का कहना है ...

रोज सफाई होना चाहिए
अस्पताल के आसपास कचरा डंप किया जा रहा है। इससे संक्रमण का खतरा बना रहता है। इसका रोज सफाई होना चाहिए।
-**डॉ. पीयम सिंह,** अस्पताल प्रभारी, सिविल अस्पताल सुपेला

धुएं से हो रही परेशानी
अस्पताल के पास कचरा डंप करने और होटल के धुएं से हो रही परेशानियों को नगर निगम के अधिकारियों को अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। -**डॉ. शिखर अग्रवाल,** अस्पताल प्रभारी, पीएचई भिलाई-3

की जाएगी कार्रवाई
अस्पताल एक संवेदनशील क्षेत्र है, साफ सफाई जरूरी है। कचरा और धुएं से संबंधित शिकायत का निरीक्षण कर आगे की कार्यवाही की जाएगी। -**डीएस राजपूत,** आयुक्त ननि भिलाई-चरोदा

कलेक्टर ने की राजस्व संबंधी प्रकरणों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

नक्शा बटांकन और भू-अर्जन मुआवजा भुगतान को लेकर तहसीलदार करेंगे स्थल निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शनिवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने अविवादित नामांतरण एवं अविवादित बंटवारा, विवादित नामांतरण एवं विवादित बंटवारा, सीमांकन प्रकरण, व्यपवर्तन प्रकरण एवं आटो डायवर्सन, कोटवारी भूमि विक्रय पर सिविल वाद दायर, स्वामित्व योजना, भारतमाला व रेल अधिनियिम के तहत भू-अर्जन के लंबित प्रकरण, भू-आबंटन, जाति प्रमाण पत्र, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4, डीसीएस सर्वेयरों के मानदेय भुगतान, कोर्स रजिस्ट्रेशन, राजस्व पखवाड़ा में प्राप्त आवेदनों के निराकरण, ई-डिस्ट्रिक्ट लोक सेवा गारंटी, अभिलेख शुद्धता, नजूल राजस्व प्रकरणों व नक्शा बटांकन की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में जिले में कोटवारी भूमि के अवैध विक्रय की जानकारी ली। कुल 90 प्रकरणों में से 89 मामलों में सिविल वाद दायर किया जाना है, अब तक 32 मामलों में वाद दायर किया गया है। 57 प्रकरण अभी लंबित हैं। कलेक्टर ने लंबित मामलों में तेजी लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। इसके साथ ही कलेक्टर ने जिले के सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि वे कोटवारी भूमि के सभी खसरा नंबरों की ग्रामवार सूची तैयार कर उपलब्ध कराएं। इस सूची के आधार पर पंजीयक द्वारा इन जमीनों के रजिस्ट्रेशन पर रोक (ब्लॉक) लगाई जाएगी, ताकि भविष्य में अवैध विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। अविवादित नामांतरण प्रकरणों के निराकरण में राजस्व न्यायालयों में निराकरण प्रतिशत 92.42 प्रतिशत दर्ज किया गया है। 16646 प्रकरणों में से 15385 का निराकरण किया है और 1237 प्रकरण अभी लंबित है। वहीं समय सीमा के बाहर 115 प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कई प्रकरण तकनीकी समस्याओं के कारण लंबित हैं। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन समस्याओं के समाधान के लिए पत्र तैयार कर उच्च स्तर पर प्रेषित किया जाए।

सीमांकन के 1242 प्रकरण लंबित, 1080 का निराकरण

सीमांकन से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। बैठक बताया गया कि कुल 1,242 प्रकरणों में से 1,080 का निराकरण किया जा चुका है। वहीं 162 प्रकरण अभी लंबित हैं और 65 मामले समय सीमा के बाहर दर्ज किए गए हैं। कलेक्टर ने इन आंकड़ों पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे फील्ड में जाकर लंबित और समय सीमा से बाहर प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द निराकरण सुनिश्चित करें। सीमांकन जैसे महत्वपूर्ण मामलों में देरी से आम नागरिकों को परेशानी होती है।

जिले के 381 गांवों का ड्रोन सर्वे, अंतिम प्रकाशन जल्द

जिले के 381 गांवों में ड्रोन सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है। 379 गांवों में आबादी भूमि के मैप-2 और मैप-3 प्राप्त हो चुके हैं। वहीं 106 गांवों में अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और 273 गांवों में कार्य अभी प्रगति पर है। कलेक्टर ने अंतिम प्रकाशन के लिए शेष ग्रामों को शीघ्र करने को कहा, ताकि आगामी शिविर में वितरण का कार्य किया जा सके। कलेक्टर श्री सिंह ने भूमि-आबंटन के प्रकरणों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा शासकीय विभागों से भूमि आबंटन हेतु प्राप्त आवेदन को प्राथमिकता के साथ निपटाएं। कलेक्टर ने नक्शा बटांकन के कार्यों के सबंध में तहसीलदारों को निर्देशित किया कि मैदानी क्षेत्रों का निरीक्षण कर जमीन की वस्तुस्थिति जांच की जाए एवं नक्शा बटांकन किया जाना भी सुनिश्चित किया जाए। बैठक में एडीएम विरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, संयुक्त कलेक्टर सिल्ली थॉमस, एसडीएम लवकेश ध्रुव, सोनाल डेविड, महेश राजपूत सहित अन्य मौजूद थे।

भीषण गर्मी के बीच शक्तिनगर तालाब कराया जा रहा खाली कांग्रेस नेताओं ने किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 17, 18 कादंबरी नगर-शक्ति नगर में भीषण गर्मी के बीच मोटर पंप के माध्यम से तालाब को खाली किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना से स्थानीय रहवासियों में भारी नाराजगी है तथा आने वाले समय में जल संकट और बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। कांग्रेस ने भी विरोध दर्ज कराया है। कांग्रेस के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वार्ड 17 एवं 18 में घनी आबादी वाले क्षेत्र हैं, ऐसे में तालाब का पानी निकालने से आसपास के क्षेत्रों का जलस्तर तेजी से नीचे जाएगा, जिससे बोरिंग सूखने की स्थिति निर्मित हो सकती है और आम नागरिकों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह तालाब केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि स्थानीय रहवासियों के दैनिक उपयोग, पशु-पक्षियों की आवश्यकताओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ा हुआ है। तीज-नहावन जैसे पारंपरिक आयोजन भी इसी स्थल पर होते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण जल स्रोत को इस प्रकार खाली करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त से चर्चा कर मामले की जानकारी देते हुए तत्काल समाधान की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी जनहित में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवश्री साहू, किसान कांग्रेस अध्यक्ष विनोद सेन, मंडल अध्यक्ष राकेश साहू, शंकर ठाकुर, युवराज ठाकुर एवं अमित देवांगन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों का काम है अच्छे काम में बाधा डालना

कांग्रेसियों का काम है कि वह हमेशा अच्छे काम में बाधा डालते हैं। शक्तिनगर तालाब में जल स्तर पहले ही कम था। शासन से गहरीकरण और पचरीकरण के लिए राशि स्वीकृत हुई है। आने वाले समय में तालाब का सौंदर्यीकरण होना है। इससे आसपास के लोगों को फायदा ही होगा। कांग्रेस का आरोप निराधार है।
-**देवनारायण चंद्राकर,** प्रभारी लोककर्म प्रभारी और वार्ड पार्षद

नाली में कचरा मिलने पर सुपरवाइजर को फटकार, तत्काल सफाई के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने वार्ड क्रमांक 14 में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। उन्होंने आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए सफाई व्यवस्था को लेकर संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों को सख्त हिदायत दिए, कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान एसएलआरएम सेंटर का भी अवलोकन किया गया, जहां कचरे के प्रबंधन, पृथक्करण और निष्पादन की प्रक्रिया को देखा गया। अधिकारियों ने सेंटर की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए हर स्तर पर सतर्कता और जिम्मेदारी जरूरी है।

इसी दौरान आयुक्त श्री अग्रवाल ने सिकोला से उरला की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित बड़ी नाली में कचरा जमा पाया गया, जिस पर संबंधित सफाई सुपरवाइजर को कड़ी फटकार लगाई गई। अधिकारियों ने तत्काल नाली की सफाई कर सुचारू जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे रिक्त स्थानों पर धूल उड़ने की समस्या को देखते हुए वहां पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि इन स्थानों को व्यवस्थित कर धूल से मुक्त किया जाए, जिससे पर्यावरण स्वच्छ रहे और नागरिकों को साफ-सुथरा वातावरण मिल सके। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे इस तरह के नियमित निरीक्षण से शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त मांगी एमआईसी बैठक की डेट, मेयर ने कहा आप ने भिलाई निगम के आयुक्त नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

भिलाई निगम में बीते 25 मार्च को आयुक्त राजीव पाण्डेय के खिलाफ सर्व सम्मति अविश्वास प्रस्ताव लाने के बाद मेयर नीरज पाल ने उन्हें भिलाई का आयुक्त मानने से ही इंकार कर दिया है।

आयुक्त राजीव पाण्डेय ने मेयर नीरज पाल को एक नोटशीट जारी कर महापौर परिषद और सामान्य सभा के अधिकार क्षेत्र के कुछ महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करने के लिए बैठक आहूत करने की बात लिखी। इसके जवाब में मेयर ने उन्हें स्पष्ट जवाब दिया है कि आप तो भिलाई निगम के आयुक्त हैं ही नहीं। आपको नोटशीट जारी करने का अधिकार किसने दिया। उनके इस कृत्य को लेकर मेयर दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह से भी शिकायत करेंगे। मेयर नीरज पाल ने कहा कि 25 मार्च 2026 को सामान्य सभा में आयुक्त को सभी सदस्यों ने पूर्ण बहुमत से अविश्वास प्रस्ताव लाने की मांग की। इसके बाद छत्तीसगढ़ नगर निगम अधिनियम धारा के अनुसार आयुक्त को सर्वसम्मति से हटा दिया गया है। उक्त बैठक के पारित संकल्प के परिपालन में धारा 54 (2) के अंतर्गत आयुक्त को पदमुक्त करने के फलस्वरूप उन्हें नगर निगम अधिनियम के किसी भी प्रावधान के उपयोग की शक्ति नहीं तब तक नहीं है, जब तक की राज्य सरकार उन्हें दोबारा से आयुक्त पद पर रिस्टेट नहीं कर देती है। अतः शासन द्वारा उपयुक्त आदेश आने तक आयुक्त अपने कार्यों से विमुख रहेगे और आयुक्त द्वारा लिए गए निर्णय शून्य होंगे।

आयुक्त के हस्ताक्षर से किसी बैठक को बुलाना गलत

मेयर ने कहा कि सामान्य सभा ने अपने अधिकारो का उपयोग करते हुए नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय को नगर निगम अधिनियम के कानून में उल्लेखित प्रावधानों का उपयोग करते हुए आयुक्त पद से सर्वसम्मति से हटा दिया है। इसके बाद से अब आयुक्त के हस्ताक्षर से किसी भी प्रकार की बैठक या कार्यो का संपादन नही किया जा सकता। यदि ऐसा किया जाता है तो सामान्स सभा की पारित संकल्प का उल्लंघन होगा जिसकी अनुमति नगर निगम अधिनियम के विपरित होगी।

सेवा के नाम पर वसूली, भिलाई में अस्पताल और मॉल की पार्किंग बनी कमाई का जरिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

दुर्ग-भिलाई में इन दिनों सेवा के नाम पर वसूली का खेल खुलकर चल रहा है। निजी अस्पतालों और मॉल में आने वाले लोगों से पार्किंग के नाम पर शुल्क लिया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

चिंता की बात यह है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थानों पर भी मरीजों और उनके परिजनों से पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। इलाज के लिए पहले ही आर्थिक दबाव झेल रहे लोग इस अतिरिक्त खर्च से और परेशान हो रहे हैं। मॉल में भी हालात कुछ अलग नहीं हैं। खरीदारी करने पहुंचे लोगों से पार्किंग चार्ज लिया जा रहा है, जबकि कई जगहों पर इसे सुविधाओं में शामिल माना जाता है। लोगों का कहना है कि जब वे मॉल में खरीदारी कर रहे हैं, तो पार्किंग के लिए अलग से पैसे लेना उचित नहीं है। इस बीच रायपुर में उपभोक्ता फोरम द्वारा एक मॉल पर पार्किंग शुल्क वसूलने को लेकर कड़ी कार्रवाई और भारी जुर्माना लगाए जाने के बाद अब दुर्ग-भिलाई में भी ऐसी ही कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि जिला प्रशासन को इस मामले में स्पष्ट नियम तय करने चाहिए और अवैध वसूली पर सख्त कदम उठाना चाहिए। खासकर अस्पतालों में पार्किंग शुल्क को लेकर अलग से दिशा-निर्देश जरूरी बताए जा रहे हैं। कानूनी जानकारों के अनुसार, यदि कोई संस्थान बिना उचित अनुमति या नियमों के पार्किंग शुल्क वसूल रहा है, तो यह उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन माना जा सकता है।

अस्पताल से मॉल तक आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ

हरिभूमि की टीम ने जब जमीनी हकीकत जानने के लिए शहर का दौरा किया, तो अस्पताल से लेकर मॉल तक पार्किंग के नाम पर लोगों से पैसे वसूले जाने की तस्वीर साफ नजर आई। नेहरू नगर के आगे नेशनल हाईवे किनारे संचालित एक निजी अस्पताल में पार्किंग की अलग व्यवस्था जरूर की गई है, लेकिन यहां भी आने वाले लोगों से शुल्क लिया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन ने सड़क पर जाम की स्थिति न बने, इसके लिए बाजू में स्थित खाली जमीन को पार्किंग स्थल के रूप में विकसित किया है। अस्पताल के मुख्य द्वार पर तैनात चौकीदार वाहनों को सीधे उसी पार्किंग में भेजता है। इसके बाद वाहन खड़ा करने पर चालकों से शुल्क वसूला जाता है। खास बात यह है कि पार्किंग के लिए जो पर्ची दी जाती है, उसमें अस्पताल का नाम स्पष्ट रूप से दर्ज रहता है, जिससे यह व्यवस्था पूरी तरह संस्थान से जुड़ी नजर आती है। इसी तरह जुनवानी स्थित सूर्या मॉल में भी पार्किंग को लेकर शुल्क लिया जा रहा है। यहां दोपहिया वाहन चालकों से 25 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। मॉल में खरीदारी करने पहुंचे लोगों का कहना है कि जब वे पहले से ही सामान पर खर्च कर रहे हैं, तो पार्किंग के लिए अलग से चार्ज लेना पूरी तरह से गलत है।

पार्किंग शुल्क लेना गलत

लोग दूर-दूर से खरीदारी करने सूर्या मॉल आते हैं। पार्किंग के लिए पैसा लेना गलत है। पार्किंग की सुविधा बुनियादी आवश्यकता के रूप में अनिवार्य है। इसके लिए शुल्क नहीं लिया जा सकता। जिला प्रशासन को इस पर कार्रवाई करना चाहिए।
-**हरिओम तिवारी,** पार्षद वार्ड-3 भिलाई

कई बार की है शिकायत

मैंने कई बार इसकी शिकायत जिला प्रशासन से की है। सूर्या मॉल में लंबे समय से वाहन पार्किंग के नाम पर लोगों से पैसा वसूला जा रहा है। यह पूरी तरह नियम के खिलाफ है।
-**मुकेश अग्रवाल,** पार्षद, वार्ड-2 भिलाई

पॉक्सो के दो मामलों में 20 वर्ष और 5 वर्ष का सश्रम कारावास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

नेवई थाना क्षेत्र में पॉक्सो एक्ट के एक मामले में पुलिस ने सुदृढ़ विवेचना कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। न्यायालय में प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के आधार पर न्यायालय ने आरोपी जगन्नाथ यादव को 20 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया। इसके अलावा थाना मोहन नगर के प्रभावी विवेचना एवं अभियोजन पक्ष द्वारा सुदृढ़ पैरवी के आधार पर आरोपी तामेश्वर यादव को 5 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। उत्कृष्ट विवेचना एवं न्यायालय में प्रस्तुत सशक्त साक्ष्यों के आधार पर दो गंभीर प्रकरणों में आरोपियों को कठोर सजा दिलाने वाले विवेचक और लोक अभियोजक को एसएसपी विजय अग्रवाल द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े गंभीर अपराधों में की गई वैधानिक कार्रवाई के तहत प्रभावी अनुसंधान एवं दोष सिद्ध हुआ। उक्त प्रकरणों में प्रभावी विवेचना एवं दोषससिद्ध सुनिश्चित कराने में विशेष लोक अभियोजक रूपवती तिल्लीवार, उप निरीक्षक कमल सिंह सागर, सहायक उप निरीक्षक हेमलता वर्मा, महिला प्रधान आरक्षक मीना ठाकुर की भूमिका अहम रही है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

12 मठ-मंदिरों की आय व्यय पर अब सोशल आडिट, धर्म कार्यों में ही ...

10 नक्शा बटांकन और भू-अर्जन मुआवजा भुगतान ...

खबर संक्षेप

गौ सम्मान अभियान आज राष्ट्रपति के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

नांदघाट। तहसील नांदघाट में 'गो सम्मान आह्वान अभियान' के तहत 27 अप्रैल को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम प्रार्थना-पत्र (हस्ताक्षर अभियान) तहसील कार्यालय में सौंपा जाएगा। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत शीतला मंदिर परिसर से होगी, जहां से गौ सेवक, गौ प्रेमी एवं गोपालक रैली के रूप में बस स्टैंड तक भ्रमण करते हुए सुबह 11 बजे तहसील कार्यालय पहुंचेंगे। वहां पर हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा जाएगा। इस अभियान के तहत अधिक से अधिक लोगों से उपस्थित होकर गौ संरक्षण एवं संवर्धन के समर्थन में अपनी भागीदारी दर्ज कराने की अपील की गई है। उक्त जानकारी जिला गौ सेवा समिति के सदस्य एवं जिला गौविज्ञान परीक्षा प्रभारी विवेक शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया जाएगा और इसका उद्देश्य गौ संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।

राहगीरों को हथियार दिखाकर डराने वाला पकड़ाया

भिलाई। राहगीर को धारदार हथियार दिखाकर डराने धमकाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर जहाज बिल्डिंग वार्ड 19 के पास राजीव नगर मुस्लिम कब्रस्तिान के पास रहने वाला अमन कुमार मारकंडेय को पकड़ा गया। आरोपी के पास से धारदार हसियानुमा हथियार जब्त किया गया। घटना वैशाली नगर थाना क्षेत्र की है।

अनाचार का प्रयास आरोपी युवक गिरफ्तार

भिलाई। फिर एक मासूम से अनाचार करने का प्रयास किया गया है। घटना भिलाई तीन थाना क्षेत्र का है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि आरोपी किशोर चौहान 23 वर्ष ने पांच वर्षीय मासूम को चाकलेट का झांसा देकर अपने साथ पुरैना के सुनसान जगह की ओर ले जा रहा था। तभी कुछ लोगों ने आरोपी को देख लिया। ग्रामीणों ने बच्ची को समय रहते बचाया और आरोपी युवक को पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने आक्रोशित होकर आरोपी किशोर की जमकर पिटाई भी कर दी है। उसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाला किया गया। बच्ची की मां नहीं है और उसके पिता काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं। बच्ची की देखभाल और लालन पालन एक मितानिन कर रही है। जिसने उसे गोद लिया हुआ है। शनिवार की शाम करीब 5 बजे बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। आरोपी बच्ची को दुकान से चॉकलेट दिलाने का झांसा दिया। झाड़ियों की तरफ लेकर जा रहा था। समय रहते सभी ने बच्ची को बचा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर एएसपी सुखनंदन राठौर, सीएसपी प्रशांत पैकरा समेत पुलिस टीम पहुंची। पुलिस ने बताया कि अनाचार का प्रयास किया था, अनाचार हुआ नहीं है। घटना शाम करीब 5 से 6 बजे के बीच की बताई जा रही है। इस गंभीर घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी सुखनंदन राठौर और सीएसपी प्रशांत कुमार सहित कई बड़े पुलिस अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर 10वीं की विद्यार्थियों का सम्मान

कुम्हारी। विचक्षण जैन विद्यापीठ की ओर से कक्षा 10वीं के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के आने पर विद्यार्थियों के लिए एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में ट्रस्ट के सदस्य स्वप्निल जैन और प्राचार्य ए.पी. सिंह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सभी सफल विद्यार्थियों को विद्यालय की तरफ से प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

भीषण गर्मी में बेहाल वन्यजीवः रिहायशी इलाकों में पहुंच रहे बंदरों के झुंड, लोगों से मदद की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- पानी की तलाश में हेंडपंप में आंगन पर बंदरों का डेरा

जिलेभर में पड़ रही भीषण गर्मी और रिकॉर्ड तोड़ तापमान ने आमजन के साथ-साथ वन्यजीवों का जीवन भी कठिन बना दिया है।

लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्त्रोत सूखते जा रहे हैं और प्राकृतिक रूप से मिलने वाला भोजन भी कम होता जा रहा है। ऐसे हालात में बंदरों के झुंड अपने प्राकृतिक आवास छोड़कर अब रिहायशी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं। इन दिनों सड़कों, मोहल्लों और गांवों में बंदरों का जमावड़ा आम दृश्य बन गया है। प्यास से व्याकुल ये बंदर राह चलते लोगों से मानो मदद की उम्मीद में बैठे दिखाई दे रहे हैं। गर्मी से बचने के लिए अब वे पेड़ों की बजाय घरों के बरामदों, छज्जों और छतों का सहारा ले रहे हैं, यहां तक कि कई जगहों पर वे घरों के भीतर तक घुसपैठ कर रहे हैं। स्थिति यह है कि छतों पर रखी पानी की टंकियों पर भी बंदरों का कब्जा देखा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और भी चिंताजनक हो गए हैं, जहां बंदरों के झुंड बिना डर के सीधे आंगन और हैंडपंप तक पहुंच रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, गर्मी के इस प्रकोप ने हालात बेहद भयावह बना दिए हैं। पशुप्रेमियों और समाजसेवियों ने लोगों से अपील की है कि वे बेजुबान जीवों की मदद के लिए अपने घरों के बाहर, छतों या सार्वजनिक स्थानों पर मिट्टी के बर्तनों में पानी जरूर रखें। आपकी यह छोटी सी पहल किसी जीव के लिए जीवनदान साबित हो सकती है।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में हटाई गई प्राचार्य के प्रशासनिक निर्णयों पर उठे सवाल

हटाई गई प्रभारी प्राचार्य पर मनमानी के आरोप, बैक डेट में व्याख्याता की सेवा समाप्ति और भर्ती विज्ञापन से बढ़ा विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

प्राध्यापकों-छात्राओं के मोर्चे के बाद शासन हरकत में, नई प्राचार्य की नियुक्ति
विवादित प्राचार्य हटाई गईं, जांच के निर्देश, चरित्र हनन, अभद्र टिप्पणी और 'फेल' करने की धमकी के आरोपों ने छीना पद

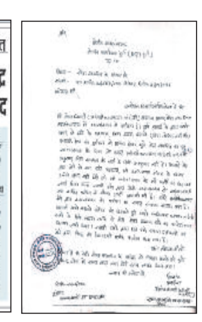

- अतिथि व्याख्याता ने उच्च शिक्षा विभाग में की शिकायत और रिट याचिका की तैयारी

शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्रभारी प्राचार्य पद से हटाई गई विनीता गौतम एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। पद से हटाए जाने के बाद भी उनके द्वारा लिए गए फैसलों ने महाविद्यालय में नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है।

आरोप है कि उन्होंने प्रभार समाप्त होने के बावजूद नियमों को दरकिनार करते हुए एक अतिथि व्याख्याता की सेवा समाप्ति का आदेश जारी कर दिया और साथ ही नई भर्ती के लिए विज्ञापन भी निकाल दिया। जानकारी के अनुसार, विनीता गौतम को 22 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 1 बजे प्रभारी प्राचार्य पद से हटा दिया गया था। इसके बावजूद उन्होंने कथित रूप से 21 अप्रैल की बैक डेट में अतिथि व्याख्याता डॉ मेघा तिवारी की सेवा समाप्ति का आदेश जारी कर दिया गया। इतना ही नहीं, 23 अप्रैल को 22 अप्रैल की तिथि दर्शाते हुए नई भर्ती के लिए विज्ञापन भी जारी कर दिया गया, जिसे लेकर महाविद्यालय में आक्रोश व्याप्त हो गया है। डॉ मेघा तिवारी ने इस कार्रवाई को पूरी तरह नियम विरुद्ध और फर्जी बताते हुए उच्च शिक्षा विभाग के अपर संयुक्त संचालक से शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि अतिथि व्याख्याता पॉलिसी 2024 के नियम 8.3 के अनुसार किसी भी अतिथि व्याख्याता के विरुद्ध शिकायत मिलने पर पहले जांच, फिर सात दिवस का कारण बताओ नोटिस और उसके बाद ही सेवा समाप्ति की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। जबकि उनके मामले में ऐसा कुछ भी नहीं किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके खिलाफ कोई शिकायत नहीं थी, न ही उन्हें कोई नोटिस दिया गया। इसके विपरीत, उन्हें 28 अप्रैल तक वार्षिक परीक्षा में ड्यूटी भी सौंपी गई थी। ऐसे में "कार्य असंतोषजनक" बताकर सेवा समाप्ति करना कई सवाल खड़े करता है।

वहीं, भर्ती विज्ञापन को लेकर भी गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। नियम 3.1 के तहत समिति गठन, रिक्त पदों का निर्धारण और विषयवार सूची तैयार करने के बाद ही विज्ञापन जारी किया जाना चाहिए, लेकिन इन प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों और कर्मचारियों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी विनीता गौतम पर मनमाने निर्णय लेने के आरोप लग चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक अधिकारों का दुरुपयोग कर व्यक्तिगत पूर्वाग्रह और रंजिश के आधार पर फैसले लिए गए हैं।

पहले भी लग चुके हैं गंभीर आरोप

गौरतलब है कि इससे पहले भी महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्राओं ने विनीता गौतम के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में चरित्र हनन, अभद्र टिप्पणी, मानसिक उत्पीड़न और छात्रों को फेल करने की धमकी जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। मामला इतना बढ़ा कि शिकायत सचिवालय तक पहुंची। जांच के बाद उच्च शिक्षा विभाग ने बीते 22 अप्रैल विनीता गौतम को पद से हटाकर पीजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ वीणा त्रिपाठी को महाविद्यालय का प्रभार सौंप दिया था। लेकिन पद से हटने से पहले ही उन्होंने डॉ मेघा तिवारी की सेवा समाप्ति का आदेश जारी कर दिया, जिससे विवाद और गहरा गया है।

कानूनी लड़ाई की तैयारी

डॉ मेघा तिवारी ने बताया कि वे इस मामले में न्यायालय की शरण लेने जा रही हैं और रिट याचिका दायर करने की प्रक्रिया में हैं। उनका कहना है कि यह न केवल उनके अधिकारों का हनन है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक प्रक्रिया की भी अवहेलना है। बहरहाल यह पूरा मामला उच्च शिक्षा विभाग के लिए जांच का विषय बन गया है। सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और दोषियों के खिलाफ क्या कदम उठाए जाते हैं।

कृषि व्यापारियों की हड़ताल

जिलेभर की कृषि दुकानें आज बंद मांगों को लेकर सौंपेंगे ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- व्यापार संकट के विरोध में लिया गया निर्णय

जिले के कृषि व्यापारियों ने आज 27 अप्रैल एक दिवसीय सांकेतिक बंद का आह्वान किया है, जिसके चलते पूरे जिले की कृषि दुकानें बंद रहेंगी। बेमेतरा जिला कृषि व्यापारी संघ के बैनर तले व्यापारी इस बंद में शामिल होकर अपनी मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करेंगे।

संघ के जिला अध्यक्ष सिद्दीक खान ने बताया कि वर्तमान में कृषि व्यापार गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। इसी के विरोध में व्यापारियों ने बंद का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले पखवाड़े भर से लगातार बैठकों का दौर चल रहा था और पिछले 10 दिनों से व्यापारी इस बंद को सफल बनाने की तैयारी कर रहे थे। दुकानों में एक सप्ताह पहले से बंद के पोस्टर भी लगाए जा चुके थे, जिससे व्यापारियों की चिंता स्पष्ट झलकती है।

व्यापारियों की प्रमुख मांगों में उर्वरकों के साथ लादन प्रथा समाप्त करना, उर्वरकों को शासन द्वारा निर्धारित दर पर सीधे दुकानों या गोदामों तक पहुंचाना, कीटनाशक एवं सीलबंद कृषि उत्पादों की असफलता के लिए निर्माता को जिम्मेदार ठहराना शामिल है। इसके अलावा कीटनाशक दवाइयों की स्त्रोत (पीसी) ऑनलाइन जोड़ने, पेपरलेस या कम पेपरवर्क की व्यवस्था करने, शिकायतों में एकपक्षीय कार्रवाई न करने और व्यापारियों को सुनवाई का अवसर देने, उर्वरक डीलर मार्जिन न्यूनतम 8 प्रतिशत करने तथा साथी पोर्टल में केवल निर्माताओं का पंजीयन रखने जैसी मांगें भी प्रमुख हैं। व्यापारी प्रधानमंत्री, कृषि मंत्री और रसायन एवं उर्वरक मंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपेंगे। इसके लिए जिला कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से अनुमति मांगी गई है और एसडीएम प्रकाश भारद्वाज से मौखिक सहमति भी प्राप्त हो चुकी है। संघ ने स्पष्ट किया है कि यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और सांकेतिक रहेगा। व्यापारी केवल ज्ञापन सौंपकर लौट जाएंगे, किसी प्रकार की नारेबाजी या अव्यवस्था नहीं की जाएगी। व्यापारियों का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में हर समस्या के लिए व्यापारियों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, जिसे समाप्त करना आवश्यक है। साथ ही वे किसानों और आम जनता के सामने अपना पक्ष रखते हुए सरकार से समाधान की अपेक्षा कर रहे हैं।संघ के अनुसार, जिलेभर के सभी कृषि व्यापारियों ने इस बंद को समर्थन दिया है और आज एक भी कृषि दुकान नहीं खुलेगी।

सोरला में घटिया मटेरियल, वेयर हाउस के निर्माण पर स्वाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- करोड़ों की लागत वाले प्रोजेक्ट में लापरवाही के आरोप, गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

जिले के बेरला ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सोरला में निर्माणाधीन अनाज गोदाम की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाउस कॉर्पोरेशन द्वारा वर्ष 2024-25 में शुरू किए गए इस बड़े प्रोजेक्ट में शुरू से ही अनियमितताओं और लापरवाही के आरोप लगते रहे हैं। करीब 12 हजार मीट्रिक टन क्षमता वाले इस विशाल गोदाम को सीजीएसडब्ल्यूसी विभाग का आठवां वेयरहाउस (एफसीआई सहित) बताया जा रहा है, लेकिन निर्माण की वर्तमान स्थिति इसके भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा रही है।

जानकारों के अनुसार, गोदाम का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है, लेकिन स्लैब, छज्जा, चबूतरा और शेड जैसे महत्वपूर्ण हिस्सों में गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है। मौके की स्थिति से स्पष्ट होता है कि निर्माण में इस्तेमाल हो रही रेत और सरिया निम्न स्तर की है। इतना ही नहीं, निर्माण की मजबूती के लिए जरूरी 'पानी तराई' की प्रक्रिया भी सही तरीके से नहीं की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे भविष्य में चबूतरे धंसने और स्लैब में दरारें आने की आशंका बनी रहती है, जो करोड़ों की लागत से बन रहे इस सरकारी ढांचे के लिए गंभीर खतरा हो सकता है।

इंजीनियर की गैरमौजूदगी से बढ़ी चिंता

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण स्थल पर विभागीय उप अभियंता अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। तकनीकी निगरानी के अभाव में ठेकेदार और मजदूर मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं। बिना पर्यवेक्षण के हो रहा यह निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

जिम्मेदार अधिकारी ने नहीं दी प्रतिक्रिया

इस संबंध में छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के कार्यपालन अभियंता जी.एल. तिवारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

गौवंश संरक्षण मुद्दे पर कांग्रेस का समर्थन 27 के आंदोलन में उतरेगी जिला कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- दीपक दिनकर के कलेक्टर कार्यालय घेराव व एन एच-30 चक्का जाम को मिला संगठन का साथ

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने जनपद सदस्य एवं गौ सेवक दीपक दिनकर द्वारा 27 अप्रैल को प्रस्तावित कलेक्टर कार्यालय घेराव एवं एन एच -30 पर चक्का जाम आंदोलन को समर्थन देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस जन आंदोलन में पूरी मजबूती के साथ सहभागी बनेगी।

आशीष छाबड़ा ने राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर सरकार हिंदुत्व और गौ संरक्षण के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ की सड़कों पर बड़ी संख्या में गौ माता की मौतें हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घटनाएं प्रशासन की लापरवाही और उचित व्यवस्थाओं के अभाव के कारण हो रही हैं, लेकिन सरकार इस ओर गंभीरता नहीं दिखा रही है। उन्होंने आगे बताया कि गत वर्ष बेमेतरा जनपद क्षेत्र में सैकड़ों गायों और बछड़ों को बिना चारा-पानी के एक स्थान पर रखे जाने के कारण उनकी मौत हो गई थी। उस समय प्रशासन ने समुचित व्यवस्था और मुआवजा देने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इन्हीं मांगों को लेकर दीपक दिनकर आंदोलन कर रहे हैं, और जब तक गौवंश को न्याय नहीं मिल जाता, कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी।

बढ़ती गर्मी के बीच पराली जलाने पर रोक लगाने की अपील, कृषि विभाग ने दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- पराली को खेत में मिलाकर जैविक खाद बनाएं

जिले में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे समय में कुछ स्थानों से किसानों द्वारा पराली (फसल अवशेष) जलाने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जो प्रशासन और कृषि विभाग के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं।

इस संबंध में कृषि विभाग बेमेतरा ने जिले के समस्त कृषकों से अपील करते हुए कहा है कि वे पराली जलाने से पूरी तरह बचें और पर्यावरण संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। कृषि विभाग के अनुसार पराली जलाने से न केवल वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ता है, बल्कि इससे आग लगने की घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है, जिससे आसपास के खेतों, संपत्तियों और कभी-कभी जनहानि तक की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा, पराली जलाने का सीधा असर मिट्टी की गुणवत्ता पर पड़ता है। इससे भूमि की उर्वरता में कमी आती है और मिट्टी में मौजूद लाभकारी जीवाणु एवं सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं, जो फसल उत्पादन के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं।

विभाग ने किसानों को पराली प्रबंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाने की सलाह दी है। इनमें पराली को खेत में मिलाकर जैविक खाद के रूप में उपयोग करना, आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे हैप्पी सीडर, रोटावेटर आदि का उपयोग करना, तथा पराली को पशु चारे के रूप में इस्तेमाल करना शामिल है। इन उपायों से न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता भी बेहतर बनी रहेगी और किसानों को आर्थिक लाभ भी मिलेगा। ▶▶| शेष पेज 10 पर

तालाब गहरीकरण की आड़ में हो रहा खेल, सैकड़ों ओवरलोड वाहनों से सड़कों की हालत बदतर

भिम्भौरी में मुरम का अवैध खनन धड़ल्ले से, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा/बेरला

नवगठित भिम्भौरी तहसील क्षेत्र इन दिनों अवैध मुरम और मिट्टी खनन का केंद्र बनता जा रहा है। राजधानी रायपुर की सीमा से सटे होने का फायदा उठाकर खननकर्ता नियमों की अनदेखी करते हुए बड़े पैमाने पर खनन कार्य में जुटे हैं।

स्थिति यह है कि रोजाना सैकड़ों ओवरलोड वाहन सड़कों पर दौड़ते नजर आ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। क्षेत्र के बोरसी, उफरा, खंगारपाठ, बोहारडीह, गोड़गिरी, नेवनारा, हसदा, बेरलाकला, गुधेली, भालेसर, आनंदगांव और चंडीभाठा सहित बेरला क्षेत्र के लेंजवारा, सरदा, टकसींवा, बेरला, सोढ़ और नारधी जैसे गांव अवैध खनन की चपेट में हैं। इनमें से कई स्थानों पर सुबह से देर रात तक खुलेआम खनन जारी रहने की शिकायतें मिल रही हैं।

सड़कों और पर्यावरण पर असर

ओवरलोड वाहनों की आवाजाही से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत बनी सड़कें तेजी से खराब हो रही हैं। धूल और प्रदूषण से स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। वहीं रॉयल्टी चोरी के कारण शासन को भी राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। लगातार शिकायतों के बावजूद ठोस कार्रवाई न होने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो क्षेत्र की सड़कें और पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो सकता है। इस पूरे मामले में जब बेरला एसडीएम दीप्ति वर्मा से बात की गई, तो उन्होंने माइनिंग विभाग का हवाला दिया। वहीं जिला खनिज अधिकारी रोहित साहू से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

तालाब गहरीकरण की आड़ में हो रहा अवैध उत्खनन

ग्रामीणों के अनुसार खननकर्ता पंचायतों से तालाब गहरीकरण के नाम पर सीमित अनुमति लेते हैं, लेकिन इसके बाद खेतों और सरकारी जमीनों से बड़े पैमाने पर मुरम निकाला जाता है। कई स्थानों पर 20 से 25 फीट गहरे गड्ढे खोदकर छोड़ दिए गए हैं, जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं।

कार्रवाई से पहले ही मिल जाती है सूचना

सूत्रों के मुताबिक खनन माफियाओं का सूचना तंत्र इतना मजबूत है कि प्रशासनिक कार्रवाई से पहले ही उन्हें भनक लग जाती है। इसके चलते मौके से मशीनें और वाहन हटा लिए जाते हैं, जिससे कार्रवाई प्रभावी नहीं हो पाती।

खबर संक्षेप

आवारा मवेशियों पर नियंत्रण के लिए अभियान

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों में आवारा मवेशियों के कारण नागरिकों को हो रही असुविधा और संभावित दुर्घटनाओं को देखते हुए दुर्ग नगर निगम द्वारा विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इस पहल का उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। निगम की टीम द्वारा मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर घूम रहे मवेशियों को पकड़ने का कार्य नियमित रूप से दो शिफ्टों में किया जा रहा है। अतिक्रमण टीम ने आज आमदी मंदिर के पीछे सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर काऊ कैचर वाहन की सहायता से मवेशियों को सुरक्षित रूप से पकड़ा।रात के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए पकड़े गए मवेशियों को रेडियम पट्टी पहनाई जा रही है, ताकि अंधेरे में भी वे स्पष्ट रूप से दिखाई दें और वाहन चालकों को सतर्कता मिल सके।

निगम ने नाली से अवैध अतिक्रमण किया ध्वस्त

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन 02 वैशाली नगर अंतर्गत नाली के उपर किये गये अवैध अतिक्रमण को निगम की टीम ने ध्वस्त किया। स्थानीय निवासियों द्वारा जनदर्शन में शिकायत दर्ज किया गया है कि कुछ मोहल्लेवासी अपने घरो के सामने गाड़ी निकालने एवं चढ़ाने के लिए रैम्प बनाए हैं, जिसके कारण गली में चलने फिरने में परेशानी होती थी। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय को प्राप्त सूचना के आधार पर जोन-2 का राजस्व विभाग एवं बेदखली की संयुक्त टीम द्वारा मौका निरीक्षण किया गया। स्थल पर पाया गया कि कुछ स्थानीय लोगों द्वारा घरों के सामने नाली के उपर अतिक्रमण कर रैम्प बनाया गया है, जिससे गली सकरा हो गया है और आवागमन में असुविधा हो रही है। संयुक्त टीम ने पंचनामा तैयार कर जेसीबी के माध्यम से अवैध निर्माण को ध्वस्त किया है।

तथ्यहीन बयान के लिए पूर्व अध्यक्ष माफी मांगें: दुबे

कुम्हारी। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय के अध्यक्ष आलोक दुबे ने कहा है कि पिछले दिनों कांग्रेस के

पूर्व पालिका अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर के द्वारा प्रेस वार्ता के माध्यम से आरोप लगाया गया था कि कुम्हारी के स्वामी आत्मानंद विद्यालय में बच्चों से फीस ली जा रही है जो कि कांग्रेस शासनकाल में नही लिया जाता था। ये आरोप पूरी तरह तथ्यहीन और बेबुनियाद है। आलोक दुबे कहा कि अभी वर्तमान में मैं पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल का अध्यक्ष हूँ और अगर उनकी बातों में सच्चाई है तो इसका कोई साक्ष्य प्रस्तुत करें क्योंकि ऐसे बेसिरपैर के बयान से विद्यालय की छवि धूमिल होती है शायद यही इनकी मंशा भी है । इसके लिए इन्हें सार्वजनिक रूप से लिखित माफी मांगना चाहिए।

मठ-मंदिरों की आय व्यय पर अब सोशल आडिट, धर्म कार्यों में ही होगा हर अंश का उपयोग: डॉ. निर्वाणी

धर्म स्तम्भ परिषद का निर्णय,मंदिर और मठो का होगा सामाजिक अंकेक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

प्रदेश में मठ-मंदिरों की आय एवं संसाधनों के पारदर्शी और धर्मसम्मत उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए धर्म स्तंभ काउंसिल ने एक ऐतिहासिक पहल की घोषणा की है,काउंसिल के महंत सुरेंद्र दास ने स्पष्ट कहा है कि मठ-मंदिरों की उपज एवं आय का उपयोग पूर्णतः भोग, भजन, प्रसाद, साधु सेवा, गौशाला संचालन एवं लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए ही किया जाएगा, न कि किसी भी प्रकार के निजी उपयोग के लिए। काउंसिल ने प्रदेश के सभी मठ-मंदिरों की आय-व्यय का सोशल ऑडिट कराने का निर्णय लिया है,इसके लिए मठ मंदिरों को सूचना पत्रक भेजे जा रहे हैं, जिससे हर स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। ऐसे मठ-मंदिर, जिनके नियमित संचालन में आर्थिक बाधा आ रही है, उन्हें धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि धार्मिक परंपराएं भोग आरती प्रसाद निरंतर चलती रहें।

धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ सौरभ निर्वाणी ने इस विषय पर कहा मठ-मंदिरों की भूमि और आय किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज और सनातन परंपरा की धरोहर है,इसका एक-एक अंश धर्म, सेवा और लोककल्याण के लिए समर्पित होना चाहिए,आज आवश्यकता है कि हम मठ-मंदिरों को पुनः आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक केंद्र के रूप में स्थापित करें,सामाजिक ऑडिट के माध्यम से पारदर्शिता आएगी और समाज का विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

मेरा मंदिर मेरी शक्ति अभियान को बढ़ावा

महंत दिवाकर दास ने मंदिरों की भूमि के सद्धुपयोग हेतु "मेरा मंदिर मेरी शक्ति" अभियान को गति देने की बात कही है, जिसके अंतर्गतः पंचवटी वृक्षारोपण,गौशाला निर्माण,भंडारा एवं प्रसाद हेतु कृषि उत्पादन,लोक संस्कृति का संरक्षण जैसे कार्य किए जाएंगे। रामजानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास ने समाज के युवाओं से चलो मठ-मंदिरों की ओर अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि यह पहल नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करेगी,उन्होंने यह कहा मठ-मंदिर केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक आत्मा हैं, इनकी पवित्रता और संसाधनों की रक्षा हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

भक्त माता कर्मा जयंती पर विधायक दीपेश साहू ने दिया विकास, शिक्षा और एकता का संदेश

मां कर्मा का जीवन सेवा, समर्पण और निस्वार्थ भाव का प्रतीक है : दीपेश साहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

विधानसभा क्षेत्र के ग्राम ठेंगाभाठा में परिक्षेत्रीय साहू संघ दारगांव द्वारा परिक्षेत्र स्तरीय भक्त माता कर्मा महोत्सव एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, अध्यक्षता जिला साहू संघ दुर्ग अध्यक्ष नंदलाल साहू, ने की ।

जबकि साजा विधायक ईश्वर साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। वही दुर्ग जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष लखन लाल साहू विशेष अतिथि के रूप मे शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ भक्त माता कर्मा जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

विधायक श्री साहू ने माता कर्मा जी को नमन करते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि और प्रगति की कामना की। इस दौरान छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोक कला मंच "लोक लोक बयार" के कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। विधायक ने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का महत्वपूर्ण उदाहरण है कार्यक्रम में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा गांव के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों एवं बुजुर्गों का भी मंच से सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि भक्त माता कर्मा आज केवल साहू समाज की नहीं, बल्कि पूरे समाज की आस्था और श्रद्धा का केंद्र हैं। उनका जीवन त्याग, सेवा और समर्पण का अनुपम उदाहरण है, जिससे हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हम उनके बताए मार्ग पर चलें, तो एक आदर्श समाज का निर्माण संभव है। माँ कर्मा जी का जीवन हमें निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने की सीख देता है। विधायक ने आगे कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर साहू समाज के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से राकेश साहू अमरदास साहू विधायक प्रतिनिधि किशुन साहू विधायक प्रतिनिधि उकेंद्र साहू परिक्षेत्रीय अध्यक्ष कृष्णा साहू भागवत साहू अकेश्वर साहू बिसेलाल साहू काशी राम साहू जोशी साहू लीला राम साहू गिरवर साहू मोहन लाल साहू शारदा साहू गिरधारी साहू किशन साहू ताराचंद साहू राम दयाल साहू मांगतू साहू चकेशवारी साहू कौशल्या साहू, थानेश्वर साहू, डामन साहू सहित समस्त साहू समाज के पदाधिकारी गण ग्रामवासी क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

तीन शिक्षकों को 'राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान', जिले का बढ़ाया मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

जिले के आशुतोष चौबे, जोगीराम वर्मा और दीपक कुमार यादव को 'राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रायपुर स्थित प्रो. जे.एन. पाण्डेय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित 'राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह राष्ट्रीय शैक्षिक संप्रवाह कार्यक्रम 2025-26' में प्रदान किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के 160 नवाचारी शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माध्यमिक शिक्षा मंडल के उप सचिव डॉ. बी. रघु ने कहा कि शिक्षकों को विजन, मिशन और लक्ष्य को आधार बनाकर कार्य करना चाहिए।

वहीं समग्र शिक्षा के उप संचालक ए.के. सारस्वत ने नवाचारी शिक्षकों को विभाग की मजबूत नींव बताया। चयनित शिक्षकों ने अपने-अपने नवाचार प्रस्तुत किए, जिनसे शिक्षा को सरल और रोचक बनाने में मदद मिल रही है। बेमेतरा के शिक्षकों द्वारा किए गए अभिनव प्रयोगों की सराहना करते हुए इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया गया।

100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत साजा ब्लॉक में स्वास्थ्य शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

■ अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन से 271 उच्चोखिम लोगों का किया गया टी बी स्क्रीनिंग

जिले को टीबी मुक्त बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत साजा विकासखंड के देवकर एवं अकलवारा में विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर निक्षय निरामय फेज 0.2 के तहत आयोजित हुआ, जिसमें उच्च जोखिम समूह के लोगों की पहचान कर उनका निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

शिविर में अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से कुल 271 उच्च जोखिम वाले लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की गई। वहीं, 33 संदिग्ध मरीजों के स्पुटम सैंपल लेकर उन्हें ट्रू-नाट मशीन से जांच हेतु भेजा गया। इस अभियान का संचालन कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन में किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर के माध्यम से लोगों को टीबी के लक्षण, उपचार और बचाव संबंधी विस्तृत जानकारी भी दी। शिविर से पूर्व मितानिनों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर सर्वे कर लोगों को जागरूक किया गया, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित हुई। कार्यक्रम में बीएमओ साजा, जिला कार्यक्रम समन्वयक, बीपीएम, एसटीएस सहित स्वास्थ्य विभाग के समस्त स्टाफ ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जिला चिकित्सालय बेमेतरा से रेडियोग्राफर शेष नारायण टंडन द्वारा एक्स-रे मशीन का संचालन किया गया। शिविर में देवकर एवं अकलवारा के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

नेशनल लोक अदालत में निपटेंगे लंबित मामले, तैयारियों को लेकर डीजे ने ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

आगामी दिनों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। इसकी तैयारियों को लेकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के विनोद कुजूर ने सभागार में बैठक ली। बैठक में समस्त न्यायाधी शामिल हुए। डीजे ने न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित करें तथा पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से विवाद समाधान हेतु प्रेरित करने कहा। साथ ही प्री-सीटिंग हेतु जारी नोटिसों की समयबद्ध एवं प्रभावी तामिली सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। विशेष रूप से राजीनामा योग्य सिविल एवं आपराधिक प्रकरण, बैंक, बीमा, मोटर दुर्घटना दावा, धारा 138 एन.आई. एक्ट, विद्युत एवं अन्य प्री-लिटिगेशन प्रकरणों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निस्तारण हेतु संवेदनशील, संवादात्मक एवं सकारात्मक काउंसलिंग दृष्टिकोण अपनाया जाए तथा अधिवक्ताओं एवं संबंधित विभागों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर अधिकतम प्रकरणों के निराकरण को सुनिश्चित किया जाए। बीमा कंपनियों के अधिकारीगण को निर्देशित किया गया कि वे लोक अदालत के दिन सक्षम प्राधिकारी के रूप में उपस्थित रहकर व्यवहारिक एवं न्यायोचित समझौता प्रस्ताव प्रस्तुत करें। साथ ही अधिवक्तागण से अपेक्षा की गई कि वे पक्षकारों को लोक अदालत के लाभों से अवगत कराते हुए समझौता प्रक्रिया में सक्रिय एवं सकारात्मक सहयोग प्रदान करें।

स्पर्श अस्पताल के संचालक से भी गुरुमीत ने मांगे थे 20 लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

■ एसबीएस अस्पताल मामले में आरोपी हुआ है गिरफ्तार

राम नगर सुपेला स्थित स्पर्श अस्पताल संचालक को भी गुरुमीत सिंह वाधवा ने 20 लाख रुपए का डिमांड कर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी थी। रकम नहीं देने पर अस्पताल कर्मियों से गाली गलौज करता रहा। सुपेला पुलिस ने बताया कि महाप्रबंधक स्पर्श अस्पताल अखिल मडामे ने शिकायत की है कि सुंदर नगर भिलाई निवासी गुरुमीत सिंह वाधवा अस्पताल पहुंचा था।

उसने बड़े नेताओं से जान पहचान का हवाला देकर झूठे केस में फंसाने और अस्पताल बंद करने की धमकी दी। माह नवम्बर 2025 में स्पर्श अस्पताल राम नगर सुपेला गुरुमीत सिंह वाधवा आया था। खुद को इंटरनेशनल मैगजीन फोर्ब्स एडिटर बताकर प्रबंधन को झांसा देकर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ वाली फोटो दिखाकर प्रदेश के अस्पतालों की जांच के लिए अधिकृत करना बताया था। जो पूरी तरह से साजिश के तहत अस्पताल में आया था। दो बार अस्पताल आया और कथित जांच किया। गुरुमीत सुहि वाधवा लगातार मोबाइल कॉल कर अस्पताल प्रबंधन को धमकाता रहा है।

ऑक्सीजन प्लांट लगत लगने, पर्यावरण नियम के खिलाफ, अस्पताल की बिल्डिंग का हवाला देकर सब गलत होने की बात कहकर दबाव डाल रहा था। परेशान स्पर्श अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस में शिकायत की। इसके अलावा अस्पताल पार्किंग तक को बंद कराने की धमकी लगातार देता है। लेकिन अस्पताल प्रबंधन को गुरुमीत सिंह वाधवा की हरकत शुरू से फर्जी लग रही थी।

माह जनवरी में पहुंचा था महाप्रबंधक के केबिन में और दी धमकी

शिकायत में बताया गया है कि जनवरी 2026 को अस्पताल के महाप्रबंधक के केबिन में गुरुमीत सिंह वाधवा पहुंच गया। जहां गाली गलौज कर धमकाने का प्रयास कर रहा था। अस्पताल के खिलाफ सूचना के अधिकार के तहत आवेदन लगाकर सारी जानकारी मांगने की भी धमकी दिया। अस्पताल से रकम वसूली करने हर हथकंडा वाधवा ने अजमाया था। परेशान प्रबंधन ने सुपेला पुलिस को लिखित में शिकायत किया। जांच के बाद अपराध कायम किया है।

सफाई जांचने स्वच्छता सर्वेक्षण टीम आएगी दुर्ग, इधर नालियों में कचरा जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

नगर पालिक निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड 14 में शनिवार को सफाई व्यवस्था का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त सुमित अग्रवाल ने क्षेत्र में साफ-सफाई की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए सफाई व्यवस्था को लेकर संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों को सख्त हिदायत दी गई कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान एसएलआरएम सेंटर का भी अवलोकन किया गया, जहां कचरे के प्रबंधन, पृथक्करण और निष्पादन की प्रक्रिया को देखा गया।अधिकारियों ने सेंटर की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए हर स्तर पर सतर्कता और जिम्मेदारी जरूरी है।

आयुक्त ने सिकोला से उरला की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित बड़ी नाली में कचरा जमा पाया गया, जिस पर संबंधित सफाई सुपरवाइजर को कड़ी फटकार लगाई गई।

सड़क और ड्रेनेज निर्माण के लिए बाधाएं हटाने की तैयारी

कब्जों पर चलेगा बुलडोजर, 112 कब्जों का सर्वे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शहर के यातायात को सुगम और व्यवस्थित बनाने की दिशा में नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जेल तिराहा से पुलगांव रोड होते हुए मिनी माता चौक तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण कार्य को गति देने के लिए अतिक्रमण हटाने की मुहिम प्रारंभ कर दी गई है। इस प्रोजेक्ट के तहत न केवल चौड़ी सड़क का निर्माण किया जाना है, बल्कि सड़क के दोनों ओर सुदृढ़ ड्रेनेज सिस्टम भी विकसित किया जाएगा। करोड़ों रुपए की लागत से बनने वाली इस परियोजना के लिए मार्ग में आने वाले सभी अवैध अतिक्रमणों को हटाया जाना आवश्यक है। निगम द्वारा पूर्व में सर्वे कर चिन्हांकन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई थी, जिसके आधार पर अब अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। अब तक 112 से अधिक अतिक्रमणकारियों को नोटिस थमाया जा चुका है, जिसमें उन्हें स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। निगम के अतिक्रमण दस्ता द्वारा पुलगांव चौक के आसपास कार्रवाई करते हुए नालियों पर किए गए पक्के निर्माण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे और कार्यवाही को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया। आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए निगम द्वारा विशेष टीम का गठन किया गया है।

प्रभारी की नियुक्ति के बाद हर दिन पहुंच रही टीम

तोड़दस्ता प्रभारी के नियुक्ति के बाद निगम की टीम हर दिन जांच और कार्रवाई के लिए पहुंच रही है। सहायक अभियंता गिरीश दीवान को टीम का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व में उप अभियंता सिद्धार्थ साहू, उपअभियन्ता विनोद मांझी, तोड़ूदस्ता प्रभारी ईश्वर वर्मा एवं परमेश्वर कुमार सहित अन्य कर्मचारी शामिल हैं। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इधर कब्जेधारियों में ठेले, खोमचे वालों ने विस्थापन की मांग की है।